

Foreign Missionaries

250. Shri Jagannath Rao Joshi:
Shri Hukam Chand Kachwal:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the number of foreign missionaries in India at present on Indian visa for missionary work; and

(b) what are the periods for which the visas are granted?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) The number of foreign Christian Missionaries registered in India as on 1st January, 1966 was 4,214.

(b) Visas are granted for a period not exceeding one year at a time.

Distribution of Foodgrains in Churches etc. in Goa

251. Shri Jagannath Rao Joshi:
Shri Hukam Chand Kachwal:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that foodgrains were distributed by Churches and Missions in Goa at the time of the opinion poll with a view to influence it;

(b) if so, whether any enquiry was made in this regard; and

(c) if so, the result thereof?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) to (c). Enquiry made in the matter reveal that foodgrains and other articles like milk powder, wheat flour etc. are being distributed by Missionaries and Char-

table non-Christian institutions for the past few years. The Church distributed foodgrains early this year in the normal course of their distribution programme as in the past.

Conversion of Tribals into Christianity in Thana District (Maharashtra)

252. Shri Jagannath Rao Joshi:
Shri Hukam Chand Kachwal:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the fact that 15 thousand tribals have been converted to christianity in Thana District (Maharashtra State) taking undue advantage of their poverty by distributing foodgrains; and

(b) if so, the action taken to stop it?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) No such report has been received by Government.

(b) Does not arise.

मेरठ में एक विश्वविद्यालय की स्थापना

253. श्री गगनराज सिंह भारती :
क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मेरठ में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए केंद्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश को कितनी राशि की वित्तीय सहायता मंजूर की है और राज्य सरकार को वास्तव में कितनी राशि दी गई है; और

(ख) चालू वर्ष में कितनी राशि देने का विचार है ?

शिक्षा मंत्री (डा० विजय शैल) :

(क) नेरु में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को कोई वित्तीय सहायता स्वीकृत नहीं की गई है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

शिक्षकों के लिये उत्तर प्रदेश की केन्द्रीय सहायता

254. श्री महाराज सिंह भारती :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश में सरकारी मान्यता-प्राप्त स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों का बेतन और महंगाई भत्ता बढ़ाने के लिए कितना धन मांगा है ;

(ख) इस प्रयोजन के लिए पिछले वर्ष कितनी राशि दी गई थी और चालू वर्ष में कितनी राशि की व्यवस्था की जायेगी; और

(ग) क्या सरकार ने उतनी राशि देने की कोई नीति बनाई है जितनी सरकारी और गैर-सरकारी दोनों स्कूलों के शिक्षकों को समान बेतन और महंगाई भत्ता देने के लिए पर्याप्त हो ?

शिक्षा मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्री धामनाथ झा आजाद) : (क) राज्य सरकार के ऐसी कोई प्रार्थना प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) कुछ नहीं।

(ग) मंत्रालय की नीति यह है कि सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के अध्यापकों के बेतन-भारों के बीच समानता होनी चाहिए।

रेडियो लाइसेंस

255. श्री महाराज सिंह भारती :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खरोद की रसीद दिखाये बिना रेडियो लाइसेंस देने के बारे में क्या नीति है; और

(ख) क्या यह सच है कि देश में बेचे जाने वाले ऐसे मेटों के लिए भी लाइसेंस दिये जाते हैं जो चोरी-छिपे साथे जाते हैं ?

संसद-कार्य विभाग तथा संचार विभाग में

राज्य-मन्त्री (श्री इन्द्रकुमार मुबरात) :

(क) बिना लाइसेंस का रेडियो कब्जे में रखने वाला व्यक्ति एक वर्ष के लाइसेंस शुल्क के बराबर की रकम तथा जिस अवधि तक रेडियो सेट कब्जे में रहा हो, उसके लिए देर शुल्क की छदायगी करके किसी भी डाकघर से लाइसेंस प्राप्त कर सकता है। रेडियो सेट के प्राप्त होने के साधन या तारीख के सम्बन्ध में लिखित प्रमाण की अनुपस्थिति में रेडियो के मालिक द्वारा स्वयं की गई घोषणा के आधार पर लाइसेंस जारी कर दिया जाता है।

(ख) हमें यह नहीं पता कि उपरोक्त (क) में निर्दिष्ट रेडियो सेट चोरी से साथे गए हैं या नहीं।